HYDERABAD
DENTAL HOSPITALS
Multi Speciality Dental Care Centres
TEETH WHITENING
ds-040-64537772 / 090000 40466 | Shali Banda-040-64537772 / 24504611

नए उत्पाद

जेब्रोनिक्स का जेब-वीआर हेडसेट

जेब्रोनिक्स, भारत में आइटी पेरिफेरल्स, ऑडिया / वीडियो सर्विलांस उत्पादों के अग्रणी आपूर्तिकर्ता, ने महज 1600 रुपए में अपने पहले प्रमुख उपभोक्ता-केंद्रित वर्चुअल रियलिटी हेडसेट को लॉन्च कर एक नई उपलब्धि हासिल की है। वीआर हेडसेट गेमिंग, शिक्षा अथवा चिकित्सा के क्षेत्र से संबंधित ऐप्लिकेशंस है। यह अल्ट्रा इमर्सिव अनुभव के साथ वास्तविकता (रियलिटी) की एक नयी दुनिया से परिचय कराता है। एक तीन-आयामी दुनिया में इमर्सिव अनुभव की पेशकश के साथ, जेब-वीआर हेडसेट्स एक साइंस फिक्शन मूवी में दिखाई जाने वाली चीजों के समान नजर आता है।

ऐडजस्टेबल फ्रंट कवर के लिए हेडसेट में स्मार्टफोन माउंट मैग्नेटिक लॉक के साथ मुलायम कुशन से सुसज्जित है, जो सुनिश्चित करता है कि आपका फोन लेंसेज के साथ सुचारु रुप से पंक्तिबद्ध है। जेब-वीआर में 'मैग्नेट टॉगल स्विच दिया गया है, रिंग दुर्लभ अर्थ मेटल नियोडिमियम से निर्मित है एवं डिस्क सिरैमिक से बना हुआ है। यह स्विच आपको मोबाइल फोन वीआर ऐप्लिकेशन के साथ इंटरैक्ट करने में सक्षम बनाता है। जेब वीआर 'वीआर गेंमिंग' एवं मनोरंजन की दुनिया में छलांग लगाने का एक शानदार जरिया है। इसे जेब्रोनिक्स जेब-75डब्ल्यूजी ब्लूटूथ गेमपैड से बेहतरीन ढंग से जोड़ा गया है। यह संयोजन वीआर गेमिंग अनुभव को एकदम नये स्तर पर ले जाता है! ऐप्प स्टोर में और अधिक वीआर गेम्स उपलब्ध होने और कार्डबोर्ड के साथ कॉम्पैटिबल होने से, आप कैमरा विंडो के साथ एआर ऐप्प को भी खोज सकते हैं। जेब वीआर का वजन 103 ग्राम से भी कम है और यह खरीदारी के लिए सर्वश्रेष्ठ वर्चुअल रियलिटी गैजट है।

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (राजेन्द्रनगर, हैदराबाद) ने किसानों के लिए कृषि से जुड़ी सस्ती एवं टिकाऊ तकनीकों का विकास किया है, जिनमें कुछ निम्न हैं -

पैडी ड्रायर - स्टील से बना 2 मैट्रिक टन क्षमता का यह उपकरण टिकाऊ एवं सस्ता है। यह अग्निरोधक एवं कृंतकरोधक भी है। इसका इस्तेमाल धान की नमी को सुखाने के लिए किया जाता है। इस उपकरण का इस्तेमाल धान के भंडारण के रूप में भी किया जा सकता है। परिवहन खर्च छोड़कर इसकी कीमत रु. 1,00,000/- है।

प्राकृतिक शत्रु हितैषी लाइट ट्रेप - यह ट्रेप प्लास्टिक जार से बनी फनेल केचर की तरह होता है। कीटों एवं रात्रि के समय उड़ने वाले की ड़े-मको ड़ों को आकर्षित करने के लिए इसमें नीले रंग की सीएफएल लैंप लगी होती है, जिसे केबल से बांध कर फील्ड में लटका दिया जाता है। रासायनिक पीड़कनाशियों का इस्तेमाल कम करने के उद्देश्य से इसे विकसित किया गया है। यह सस्ती एवं प्राकृतिक शत्रु हितैषी लाइट ट्रेप है। इसका इस्तेमाल सूझबूझ एवं समझदारी से किया जाना चाहिए। परिवहन खर्च छोड़कर इसी कीमत रु. 1,100/-है।

बिल धुम्रण (बुरो स्मोकर) यंत्र - खेतों में कृंतक पीड़कनाशियों से होने वाली समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, यह उपकरण विकसित किया गया है। उच्च क्षमता वाले ड्रम (जिसमें ईंधन होता है) वहन करने वाला यह एक एकल पहीये की ट्रोली है, जिसे आसानी से खेतों में घुमाया जा सकता है। ईंधन को कृंतक के मादों में स्प्रे कर कृंतकों को मार सकते हैं। उपकरण को इस तरह से बनाया गया है कि ज़रूरत पड़ने पर इसे विभिन्न कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। प्रति इकाई कीमत रु. 6500/- है।

कम घनत्व वाली स्पिनिंग डिस्क बैकपैक स्प्रैअर - इस उपकरण में सामने की ओर निकले हुए पाईप में दो स्पिनिंग डिस्क नोजल लगे होते हैं और पीछे की ओर 10 लीटर की एक स्प्रै टैंक होती है। यह हल्का एवं प्रचालक को चलाने में सुविधाजनक एवं आसान है। इस उपकरण द्वारा 1 घंटे में 0.6 हेक्टर फील्ड में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी कीमत रु. 18,500/- है।

यह जाना कि सुदर्शन रेड्डी

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान में मनोरंजन केंद्र उद्घाटित

हैदराबाद, 20 अप्रैल-(मिलाप ब्यूरो) राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान में डॉ. अशोक एम.आर. दलवई (भा.प्र.से., अपर सचिव, कृषि, डीएसी, कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली) ने खेल व मनोरंजन केंद्र का उद्घाटन किया।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी दी गयी। संस्थान की महानिदेशक वी. उषारानी ने अशोक दलवई का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। महानिदेशक ने बताया कि संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिये भारत के विभिन्न भागों से अधिकारी, कर्मचारी व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी आते हैं। उन्हें प्रशिक्षण के साथ-साथ खेल सुविधा प्रदान करने के लिये उक्त केंद्र का उद्घाटन किया गया।

अवसर पर एनआईपीएचएम के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. एन. सत्यनारायण, डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव, डॉ. के. विजयालक्ष्मी, जी. शंकर व अन्य उपस्थित थे।

...ता को उसके

अपना माग
तक यह बात
में ज्यादातर

के समर्थन में हैं। रैली में उनकी ओर से सरकार के सामने माँगें भी रखी गई, जिनमें गौमाता को राष्ट्रमाता के

...बाद राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों एवं सांसदों को अपनी माँगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया।

शकुंतल
कोलरिय.
कोलरिया,

वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान में राकास की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 2 मार्च-(मिलाप ब्यूरो)

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद में वर्ष 2015-16 हेतु राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राकास) की चतुर्थ बैठक महानिदेशक वी. ऊषारानी (भा.प्र.से., एनआईपीएचएम) की अध्यक्षता में आयोजित की गई। संस्थान के हिन्दी अधिकारी ने महानिदेशक सहित बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों का स्वागत किया एवं अक्टूबर-दिसंबर, 2015 की तिमाही रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा के साथ-साथ पिछले बैठक के दौरान लिये गए निर्णयों पर की गई कार्यवाही पर चर्चा की गई। महानिदेशक ने धारा 3(3) का पूर्णत: अनुपालन किये जाने की सराहना की तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिक से अधिक टिप्पणी लिखने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने हिन्दी अधिकारी को संस्थान में चलाये जा रहे प्रशिक्षणों के पाठ्य सामग्री का हिन्दी अनुवाद करवाने के निर्देश दिए, ताकि कृषि अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रशिक्षार्थियों एवं कृषक समुदायों को हिन्दी में पाठ्य सामग्री उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि एनआईपीएचएम की वेबसाइट पर कृषि क्षेत्र से जुड़े एवं किसानों से संबंधित अधिक से अधिक जानकारियाँ एवं वीडियो सहित हिन्दी, अंग्रेजी एवं स्थानीय भाषाओं में भी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। बैठक में संस्थान के प्रत्येक प्रभाग द्वारा अपनाई जाने वाली नई तकनीकी, खाद्य संसाधन एवं फसलों की सुरक्षा से संबंधित लेख दैनिक हिन्दी समाचार-पत्रों में प्रकाशित किये जाने का भी निर्णय लिया गया, ताकि इसकी जानकारी एवं लाभ सीधे किसानों तक पहुँच सके। बैठक में संस्थान के कुलसचिव (इंजी.), जी. शंकर, निदेशक डॉ. चेरूकेरी श्रीनिवास राव, संयुक्त निदेशक डॉ. ओ.पी. शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

...या कि अवसर
...बर मूर्तिपूजक
...यरमैन प्रकाश
...न्द समदरिया,
...च्छा, मुकेश
बाबूलाल बुरड़
...ो नूतन शाखा

नि:शुल्क

हैदराबाद, 2 मार्च-(
नारायण सेवा संस्थान के
इसामिया बाज़ार स्थि
हैदराबाद आश्रम में नि:
परीक्षण शिविर ओर्थोपे
अजीमुद्दीन के नेतृत्व में
आज यहाँ जारी प्रे

प्रकाशित समाचार

दिनांक :गुरुवार,03,मार्च,2016

पृष्ठ संख्या :17

डेली हिन्दी मिलाप

DAILY HINDI MILAP
Hyderabad

वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान में राकास की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 2 मार्च-(मिलाप ब्यूरो)

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद में वर्ष 2015-16 हेतु राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राकास) की चतुर्थ बैठक महानिदेशक वी. ऊषारानी (भा.प्र.से., एनआईपीएचएम) की अध्यक्षता में आयोजित की गई। संस्थान के हिन्दी अधिकारी ने महानिदेशक सहित बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों का स्वागत किया एवं अक्टूबर-दिसंबर, 2015 की तिमाही रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा के साथ-साथ पिछले बैठक के दौरान लिये गए निर्णयों पर की गई कार्यवाही पर चर्चा की गई। महानिदेशक ने धारा 3(3) का पूर्णत: अनुपालन किये जाने की सराहना की तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिक से अधिक टिप्पणी लिखने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने हिन्दी अधिकारी को संस्थान में चलाये जा रहे प्रशिक्षणों के पाठ्य सामग्री का हिन्दी अनुवाद करवाने के निर्देश दिए, ताकि कृषि अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रशिक्षार्थियों एवं कृषक समुदायों को हिन्दी में पाठ्य सामग्री उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि एनआईपीएचएम की वेबसाइट पर कृषि क्षेत्र से जुड़े एवं किसानों से संबंधित अधिक से अधिक जानकारियाँ एवं वीडियो सहित हिन्दी, अंग्रेजी एवं स्थानीय भाषाओं में भी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। बैठक में संस्थान के प्रत्येक प्रभाग द्वारा अपनाई जाने वाली नई तकनीकी, खाद्य संसाधन एवं फसलों की सुरक्षा से संबंधित लेख दैनिक हिन्दी समाचार-पत्रों में प्रकाशित किये जाने का भी निर्णय लिया गया, ताकि इसकी जानकारी एवं लाभ सीधे किसानों तक पहुँच सके। बैठक में संस्थान के कुलसचिव (इंजी.), जी. शंकर, निदेशक डॉ. चेरूकेरी श्रीनिवास राव, संयुक्त निदेशक डॉ. ओ.पी. शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रकाशित समाचार

दिनांक : शनिवार,20,फरवरी,2016

पृष्ठ संख्या :07

डेली हिन्दी मिलाप
DAILY HINDI MILAP
Hyderabad

हिन्दी कार्यशाला आयोजित

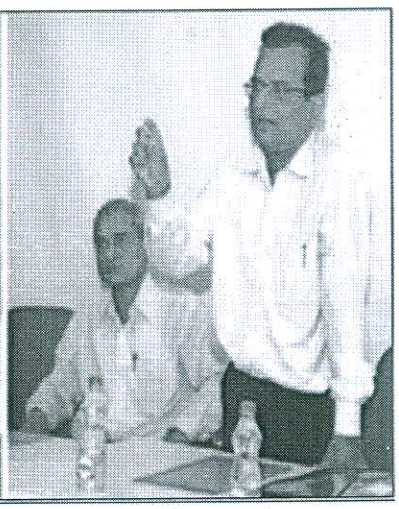

हैदराबाद, 19 फरवरी-(मिलाप ब्यूरो) राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान में संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिये एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला के आरंभ में संस्थान के हिन्दी अधिकारी विजय कुमार ने मंचस्थ जी. शंकर (संयुक्त निदेशक, पीएचई) तथा जयशंकर प्रसाद तिवारी (सहायक निदेशक, केंद्रीय हिन्दी प्रशिक्षण उप-संस्थान, हैदराबाद) का स्वागत किया। जी. शंकर ने कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हिन्दी सहित अन्य भाषाएँ हमारी सभ्यता एवं संस्कृति की पहचान हैं। राजभाषा हिन्दी में कार्यालयीन कामकाज करना हम सभी का नैतिक एवं संवैधानिक कर्त्तव्य है। हिन्दी में कार्यालयीन कामकाज सिर्फ निर्धारित लक्ष्य हासिल करने तक न होकर इससे आगे बढ़ाना चाहिए और जहाँ तक संभव हो, सरल, सहज एवं सुबोध भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी हिन्दी कार्यशाला में बढ़-चढ़ कर भाग लें एवं इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएँ। जयशंकर प्रसाद तिवारी ने यूनिकोड कोड हिन्दी एवं राजभाषा नीति से संबंधित नियमों की संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक समय था, तब हम हिन्दी एवं अन्य भाषाओं के फॉंट से संबंधित समस्या होने के कारण टंकण नहीं कर पाते थे, किन्तु यूनिकोड के आने से इस समस्या का निराकरण हुआ है। अब टंकण सीखना आसान हो गया है। उन्होंने कार्यशाला के दौरान पॉवर प्वाइंट के जरिये अपने कम्प्यूटर पर यूनिकोड अपलोड करने एवं फोनेटिक टाइपिंग के जरिये हिन्दी में शब्द लिखने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यह भी बतलाया कि ई-मेल ब्रासर के साथ यूनिकोड को जोड़कर आसानी से अपनी भाषा में संदेश लिख सकते है। उन्होंने कहा कि टंकण का अभ्यास करने से कर्मचारी छोटे-छोटे वाक्य लिख सकते हैं एवं अभ्यस्त होने के बाद वे हिन्दी में पत्राचार हेतु टंकण कर सकेंगे। कार्यक्रम के अंत में हिन्दी अधिकारी विजय कुमार ने अधिकारीगण, अतिथि वक्ता एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 18 नवंबर-(मिलाप ब्यूरो)

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद में वर्ष 2015-16 हेतु राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राकास) की तीसरी बैठक का आयोजन महानिदेशक वी. उषारानी, भा.प्र.से. एनआईपीएचएम की अध्यक्षता में किया गया।

यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संस्थान के हिन्दी अधिकारी ने सभी अधिकारियों का स्वागत किया एवं महानिदेशक के समक्ष जुलाई-सितंबर, 2015 की तिमाही रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक के दौरान तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा के साथ-साथ पिछली बैठक के दौरान लिए गए निर्णयों पर की गई कार्यवाई पर भी चर्चा की गई। महानिदेशक के निदेशानुसार संस्थान में हिन्दी के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए प्रति वित्तीय वर्ष के दौरान दस हजार या इससे अधिक शब्दों का हिन्दी में कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने हिन्दी अधिकारी को संस्थान में चलाये जा रहे महत्वपूर्ण एवं चुनिंदा प्रशिक्षण पाठ्य सामग्री का हिन्दी अनुवाद करने हेतु निर्देश दिए, जिससे प्रशिक्षार्थियों एवं कृषक समुदायों को हिन्दी में पाठ्य सामग्री उपलब्ध हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि एनआईपीएचएम की वेबसाइट पर कृषि क्षेत्र से जुड़ी एवं किसानों से संबंधित अधिक से अधिक जानकारियाँ हिन्दी, अंग्रेजी एवं स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध कराई जाएँ। महानिदेशक ने संस्थान में सतर्कता सप्ताह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। बैठक में संस्थान के कुलसचिव इंजी.जी. शंकर, संयुक्त निदेशक डॉ. ओ.पी. शर्मा सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

एनआईपीएचएम में हिन्दी दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

हैदराबाद, 16 सितंबर-(मिलाप ब्यूरो) राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एन आई पी एच एम) राजेन्द्रनगर, हैदराबाद में हिन्दी दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

संस्थान के हिन्दी अधिकारी विजय कुमार साव ने मंचस्थ अधिकारी वी. उषा रानी, महानिदेशक भा.प्र.से. डॉ. अभयकुमार एकबोटे, निदेशक पीएमडी, डॉ. एन. सत्यनारायण, निदेशक पीबीडी, इंजी.जी. शंकर, संयुक्त निदेशक पीएचई एवं प्रभारी रजिस्ट्रार एवं भारतीय कदन्न अनुसंधान, हैदराबाद के डॉ. महेश

कुमार एवं उपस्थित कर्मचारियों का स्वागत करते हुए हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ दीं। महानिदेशक ने हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित हिन्दी प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किये। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष होने वाले प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रशिक्षार्थी भाग लें एवं हिन्दी शिक्षण योजना के तहत प्रदान की जा रहे प्रशिक्षण प्राप्त करें। हिन्दी अधिकारी ने एनआईपीएचएम संस्थान में राजभाषा नीति एवं इसके कार्यान्वयन के लिए अनुपालन एवं क्रियाकलापों से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की।

नि:शुल्क नेत्र जाँच एवं दंत परीक्षण शिविर 20 को

हैदराबाद, 16 सितंबर-(मिलाप ब्यूरो)

सांवरिया भक्त मण्डल द्वारा नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर एवं दंत परीक्षण शिविर का आयोजन रविवार, 20 सितंबर सुबह 9 से शाम 4 बजे तक सनातन धर्मसभा भवन, बेगम बाजार में किया जायेगा। शिविर में असमर्थ लोगों का नि:शुल्क लेजर मोतिया बिंद ऑपरेशन होगा। नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सिद्धार्थ करण और डॉ. पराग पित्ती एवं डॉ. ज्योतिर्मय शिविर में सेवाएँ देंगे।

हिन्दी मिलाप - हैदराबाद

हिन्दी वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने की ओर अग्रसर

हर साल की भाँति इस साल भी पूरे भारत में 14 सितंबर को हिन्दी दिवस मनाने की रस्म अदायगी की जाएगी। इस अवसर पर दो-चार अच्छी-अच्छी बातें सुन लेंगे, हिन्दी प्रेम की भाषा है, सद्भावना की भाषा है वग़ैरह-वग़ैरह एवं कार्यक्रम का समापन कर फिर वर्ष भर के लिए सो जाएँगे।

हिन्दी के इतिहास पर नज़र डालें तो 14 सितम्बर, 1949 को भाषा सम्बन्धी प्रावधानों को संविधान सभा ने स्वीकृत दे दी थी और यह तय किया गया कि 15 वर्ष के अंदर हिन्दी को उसका संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए आवश्यक प्रयास किया जाएगा लेकिन ऐसा हो नहीं सका एवं इसे राजभाषा का दर्जा देकर छोड़ दिया गया। एक के बाद एक अंतराल पर अवधि बढ़ायी गई। फिर भी हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप नहीं अपनाया गया। देश के हिन्दी प्रदेशों को छोड़ दें, तो हिन्दीत्तर क्षेत्रों के लोग भी हिन्दी बोल लेते हैं एवं समझ लेते हैं और इस हिन्दी की धारा में बहने के लिए उतावले

विजय कुमार साव
हिन्दी अधिकारी
एनआईपीएचएम, राजेंद्र नगर
हैदराबाद

एवं उत्सक हैं, किंतु स्वयं को अपनी भाषा से जुड़े हुए अस्मिता को लेकर एवं कुछ राजनीतिज्ञ अपनी राजनीति की रोटी सेकने के लिए इन्हें दूर रखे हैं। आज हिन्दी अमेरिका, ब्रिटेन, मलेशिया, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात एवं ऑस्ट्रेलिया एवं रूस आदि कई देशों में समझी जाती है। कई देशों के विश्वविद्यालयों में हिन्दी का अध्ययन एवं इस पर शोध का कार्य किया जा रहा है। लेकिन हम भारतीय हिन्दी पढ़ने और बोलने में शर्म महसूस करते हैं एवं अपनी अभिव्यक्ति, रुचि एवं अभिलाषाओं का दमन कर देते हैं।

कई देशों अपनी आज़ादी के बाद अपनी भाषा को राष्ट्रभाषा के रूप घोषित किया है, लेकिन यह दुर्भाग्य की बात है कि आज आज़ादी के बाद एवं आज़ादी की मूल संवाहिका एवं साक्षी होने के बावजूद भी राष्ट्र भाषा का दर्जा पाने के लिए संघर्ष कर रही है। इसे केवल सम्मेलनों, संगोष्ठियों एवं हिन्दी दिवस की सीमा-रेखा में बाँधकर रख दिया गया है। लेकिन हिन्दी इस कृत्रिम केंचुली सीमाओं से निकलकर स्वयं वैश्विक स्तत पर अपनी पहचान बनाने की ओर अग्रसर है, अब किसी की मोहताज नहीं है। आज हिन्दी भारत की भाषा ही नहीं, बल्कि तेज़ी से उभरती हुई राजनीतिक, आर्थिक एवं वैश्विक स्तत की भाषा बन गई है।

के
अनु
व

हमारा प्रथम
दैनिक क्रियाव
करें, जिससे
जानकारियां
जनमानस तक
नैतिक दायित
विज्ञान संबंधि
तक सरल एवं
विभिन्न भाषा
चिकित्सा ज्ञान
कराने हेतु हमा
संस्थान में
कार्यान्वयन
राजभाषा विभ
सरकार ने इस
नगर राजभाष
हैदराबाद (नरा
की मान्यता दे
केन्द्र सरकार
के हिन्दी काय
का भार सौंपा
देश में यूना
केंद्रों में से
चिकित्सा अनुस
ने यूनानी पद्ध
निवारण को ए
स्वीकार किया
किये जा रहे

HYPERSOFT
TECHNOLOGIES LIMITED

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान में हिन्दी प्रतियोगिताएँ आयोजित

हैदराबाद, 7 सितंबर-(मिलाप ब्यूरो) आज राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा-2015 के अंतर्गत प्रशासनिक शब्दावली ज्ञान एवं हिन्दी श्रुतलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान, राजेंद्रनगर-हैदराबाद राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन एवं कार्यालयीन कामकाज को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। पखवाड़ा के दौरान प्रतियोगिताओं के आयोजन का उद्देश्य कर्मचारियों में हिन्दी प्रशासनिक शब्दावली के उपयोग समझ एवं हिन्दी के प्रति रूचि बढ़ाना है। प्रतिभागियों को दैनिक सरकारी कामकाज में आने वाले प्रशासनिक हिन्दी शब्दों जैसे परिपत्र, सत्यापन, कार्यसूची, मानदेय एवं आयोग आदि को हिन्दी में तथा निविदा एवं कार्यवाही जैसे शब्दों को अंग्रेजी में लिखने के लिए प्रश्न-पत्र दिया गया।

प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता के समापन के तत्पश्चात् हिन्दी श्रुतलेखन का आयोजन हुआ। प्रतियोगिताओं में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

हिन्दी कार्यशाला एवं हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता सम्पन्न

हैदराबाद, 3 सितंबर-(मिलाप ब्यूरो) राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद में हिन्दी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस क्रम में संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आज एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला एवं हिन्दी में आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यशाला के आरंभ में संस्थान के हिन्दी अधिकारी विजय कुमार साव ने समारोह में उपस्थित अधिकारीगण डॉ. अभयकुमार एकबोटे, निदेशक (पीएमडी), डॉ. एन. सत्यनारायण, निदेशक (पीबीडी), इंजी. जी. शंकर, संयुक्त निदेशक एवं प्रभारी रजिस्ट्रार एवं अतिथि वक्ता डॉ. महेश कुमार, तकनीकी अधिकारी (हिन्दी) भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान का स्वागत किया। रजिस्ट्रार ने कार्यशाला के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संस्थान एक केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान है एवं विभिन्न राज्यों से अधिकारी, कर्मचारी आदि प्रशिक्षण के लिए यहाँ आते हैं। हमारा यह प्रयास रहता है कि हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं के माध्यम से उन्हें संतुष्ट करें, ताकि वे अपने ज्ञान को उनके उपयोक्ता तक पहुँचा सके। डॉ. महेश कुमार ने कार्यशाला के दौरान पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्रतिभागियों को राजभाषा नीति, वार्षिक कार्यक्रम एवं टिप्पणी एवं आलेखन के दौरान लिखी जानी वाली छोटी-छोटी टिप्पणियों एवं शब्दावली के बारे में जानकारी दी, जिनका प्रतिदिन कार्यालयीन भाषा में उपयोग किया जाता है। उन्होंने उदाहरण सहित कार्यालयीन कार्यों में प्रयुक्त हिन्दी शब्दों की पारदर्शिता के संबंध में चर्चा करते हुए बताया कि हिन्दी में कार्य करना अंग्रेजी की अपेक्षा सरल एवं जनता के लिए बोधगम्य होगा। कार्यशाला के पश्चात 'आधुनिक भारत निर्माण में महिलाओं के योगदान' विषय पर हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतियोगियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के अंत हिन्दी अधिकारी ने समारोह में उपस्थित अधिकारीगण, अतिथि वक्ता एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।